RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 11 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 19 अगस्त 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

हर घर तिरंगा के साथ नई रीति-नीति पर बढ़ता उत्तराखण्ड

निकाय चुनावों की रणनीति के साथ ही नये नेता उभर रहे हैं पहाड़ में

कार्यालय प्रतिनिधि

देश के 78वें स्वतंत्रता का जश्न मनाने के लिये उत्तराखण्ड में भव्य आयोजन हुए। हर घर तिरंगा की जोश सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं के साथ हर आम व खास में दिखाई दिया। राजनीतिक पार्टियों ने भी झण्डे के साथ खूब उत्साहपूर्वक जुलूस सभाएं की। साथ ही पड़ौसी देश बांग्लादेश के हालातों पर चिन्ता के साथ ही वहाँ हिन्दुओं पर हो रहे अत्यार को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया गया।

स्वतंत्रता के इस जश्न पर इस पर्वतीय प्रदेश के जांबाजों ने वीरता के पुरस्कारों के साथ अपनी परम्परा को बनाया है। पुलिस पदकों के साथ कई प्रकार के पुरस्कार व सम्मान सरकार व संस्थाओं की ओर से प्रदान किये गये हैं। आने वाले निकाय चुनावों की रणनीति के साथ ही पूरा प्रदेश नई रीति-नीति पर आगे बढ़ रहा है। पार्टी लाइन पर चलने के अलावा अपनी महत्वाकांक्षा पाले युवा नये नेताओं के रूप में उभरते दिखाई दे रहे हैं। इसकी शुरूआत इस बार के निकाय चुनाव में भी दिखाई देगी। पक्ष हो या विपक्ष स्वतंत्रता का मतलब अपनी ताकत मान बैठा है और बात-बार पर शक्ति परीक्षण और शक्ति प्रदर्शन दिखाई दे रहे हैं। आने वाला समय बहुत द्रुतलय का होगा।

धामी सरकार का फैसला पिथौरागढ़, अल्मोड़ा नगर निगम बनेंगे

पि.हि.प्रतिनिधि

पिथौरागढ़ में नगर पालिका को निगम बनाये जाने के विरोध स्वरों के बीच उत्तराखण्ड की धामी सरकार ने कड़ा फैसला लेते हुए पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा को नगर निगम बनाने की मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा पालिकाओं के उच्चीकृत के बाद अब प्रदेश में नगर निगमों की संख्या 11 हो जायेगी। बैठक में कहा गया कि दोनों पालिकाओं को निगम में उच्चीकृत करने पर सीमा का विस्तार नहीं किया जाएगा। साथ ही डोईवाला नगर पालिका को ए श्रेणी में शामिल कर दिया गया है। (सम्बन्धित समाचार पृष्ठ 6 पर भी)

दुष्कर्म के आरोपित को गवाह ने पहचाना

मुजफ्फरनगर। रामपुर तिराहा काण्ड के मामले में कोर्ट में पेश हुए गवाह ने आन्दोलनकारी महिला से दुष्कर्म के आरोपित की पहचान की। कोर्ट में दो आरोपितों को हाजिर न होने के कारण उनकी पहचान नहीं हो सकी। उनकी पहचान के लिये अगली तारीख निर्धारित की गई। गवाह ने कोर्ट को बताया कि करीब 30 वर्ष पूर्व आन्दोलन कारी तीन महिलाओं को गन्ने के खेत में ले जाकर उनके साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म किया गया था। 1 अक्टूबर 1994 को उत्तराखण्ड गठन की मांग को लेकर छिड़े प्रदर्शन के दौरान दिल्ली जाते समय रामपुर तिराहे पर पुलिस के बीच झड़प हुई थी।

विश्व धरोहर में शामिल होंगे पंच बदरी व केदार

उत्तराखण्ड के पंच बदरी व पंच केदार का महत्व बद्रीनाथ-केदारनाथ जैसा ही है। अब इन्हें यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए सरकार ने तैयारी की है। इसके लिए यूनेस्को गाइडलाइन के अनुसार प्रारूप तैयार का काम किया जाना है।

समाज सेवक नैन सिंह बोनाल का त्याग

नरेन्द्र न्यौला पंचाचूली

भारत के सुन्दरतम पर्वत श्रृंखला 'न्यौ ला प चाचूली हिम श्रृंखल' के सामने ''स्यं सैं च्यूति गबला की थाती माटी'' पर बसा गाँव-बोन के अत्यधिक आर्थिक कमजोर परिवार में भावी सामाजिक चिन्तक-बालक का जन्म 11 जुलाई 1940 में हुआ। जिनका नाम उनके परिवारजनों ने नैन सिंह रखा। नैन सिंह जी के माता का नाम-श्रीमती सुरमा दताल बोनाल और पिता का नाम-श्री ज्ञान सिंह बोनाल 'पूनराठ' था। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे स्कूली शिक्षा में अक्षर ज्ञान की औपचारिक शिक्षा भी ठीक से प्राप्त नहीं कर पाए। इसके बावजूद उन्होंने अपने जीवन में बहुआयामी रूप से बहुत तरक्की किया। उनका व्यक्तित्व-बहुमुखी (सम्वेदनशील, कर्मशील, कठोर परिश्रमी) स्नेहशील और मिलनसार था। नैन सिंह जी अपने साक्षात् जीवन में सामाजिक सुधार हेतु निरन्तर चिन्तनशील रहते थे।

श्रद्धेय नैन सिंह जी की अनौपचारिक शिक्ष और आजीविका- नैन सिंह जी ने अपने साक्षात् जीवन के अन्तिम दौर तक निरन्तर बहुत संघर्षशील तप किए। नैन सिंह जी की छोटी उम्र में ही उनके पिता जी की अचानक मृत्यु हो गयी जिस कारण उनके परिवार का भरण-पोषण की अतिरिक्त बाहरी जिम्मेदारी और आर्थिक सुधार की पूरी जिम्मेदारी उनके ऊपर आ गयी। इन्हीं कारणों से उन्होंने होश सम्भालते ही लक्ष्य 10-11 साल की उम्र से ही परिवार की आर्थिक रूप से मदद करने हेतु गाँव में सहायक (सहयोगी) के रूप में कार्य करना शुरू किया। जैसे- दूसरों के भेड़-बकरी को चराने में मदद करना और अन्य सहायक रूप के कार्य करना। नैन सिंह जी ने जैसे ही मानसिक रूप से समझ व शारीरिक रूप से सक्षम होने पर गाँव के मददगार लोगों के साथ मिलकर अपना छोटा-सा कार्य शुरू करने लगे। जैसे- अपनी थोड़ी सी भेड़-बकरी को दूसरों के भेड़-बकरियों की टोली के साथ ले जाकर सुदूर क्षेत्रों पर सामग्री विनिमय हेतु व्यापारिक कार्य पर जाना। आगे चलकर नैन सिंह बोनाल जी ने सरकारी संस्था के पशुपालन विभाग में दैनिक वेतनभोगी के तौर पर गाँव-ग्रामीणों से दूर जीवन का प्रथम चरण शुरू किया। नैन सिंह जी ने मात्र 19 साल की उम्र से सन् 1959 में भारत-तिब्बत सीमान्त क्षेत्र बिदंग में रक्षा सीमा प्रहरी के कार्यालय वायरलैस चैक पोस्ट पर सहायक (हैल्पर) के रूप में अस्थाई नौकरी की। यह नौकरी मात्र छः माह मई से अक्टूबर तक के लिए ही होती थी। तब वायरलैस के माध्यम से बातचीत करते समय वायरलैस की मशीन को हाथ से घुमाना पड़ता था। वे अपने कार्य के प्रति ईमानदारी व लगन से कठिन परिश्रम करते थे। शिक्षा के प्रति निरन्तर जिज्ञासा रखने के कारण उन्होंने इसी कार्यालय के कर्मचारियों की मदद से शिक्षा का प्रथम उद्देश्य 'अक्षर ज्ञान' की अनौपचारिक शिक्षा प्राप्त की। सन् 1962-63 में मात्र 22 साल की उम्र पर में नैन सिंह जी ने पांगू में स्थित सरकारी भेड़ पालन केन्द्र पर भेड़ों की देखरेख करने की नौकरी की। नैन सिंह जी ने जहाँ-जहाँ नौकरी की वहीं-वहीं अपनी लिखाई-पढ़ाई में रूचि व लेखनी पर विशेष ध्यान देते रहे और शिक्षित लोगों से वे निरन्तर शिक्षा लेते रहे। नैन सिंह बोनाल जी ने औपचारिक शिक्षा को प्राथमिक स्कूल से अक्षर ज्ञान की शिक्षा ठीक से प्राप्त न करने के

शेष पृष्ठ 3 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

अतिक्रमणकारियों को सुविधा?

नैनीताल हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण मामले में मौखिक रूप से पूछा कि वे कौन अफसर थे, जिनके कार्यकाल में अतिक्रमणकारियों को बिजली-पानी के कनेक्शन व राशन कार्ड जारी किए गए। उनके विरुद्ध क्या एक्शन लिया गया। अब जब लोगों को वहाँ रहते दशकों बीत गए हैं, तब सरकार उनके आशियाने तोड़ रही है। क्या यह मानवता है?

कोर्ट द्वारा पूछी गई बात विचारणीय है। इस प्रकार का सवाल पहले भी होता रहा है लेकिन नेतागर्दी का पैमाना है कि हमेशा छलकता रहा। नेताओं और दबंगों के दबाव में अतिक्रमण हुआ और बस्तियां बसती रहीं। फिर वोटों के लिये इन्हें वोटर बनाया गया, पानी-बिजली की सुविधाएं मिलती रहीं। अधिकारीगण किसी भी तरह से अपना बचाव करने की स्थिति में रहे हैं। यदि कोई नियम की बात करे तो उस पर दबाव या उसका स्थानान्तरण हो जाता है। ऐसे हालातों में गलत को गलत और सही को सही करने की हिम्मत करने वाले विरले ही मिल पाते हैं।

कोर्ट का सवाल बहुत महत्वपूर्ण भी है कि मानवता भी कुछ चीज है। आंखिर, पहले सुविधा देकर पालने-पोसने वाले अब किस बूते लोगों को हटाने की हिम्मत कर रहे हैं। यदि अतिक्रण हुआ है तो कब्जा करने वालों को बिजली, पानी आदि की सुविधा क्यों दी गई? इनके पते पर इन्हें मतदाता कैसे बना दिया गया?

यह बड़ी सच्चाई है कि राजनीति का दलदल और कमजोर लोगों की मजबूरी मिलकर अजब खेल रचाती है। हल्द्वानी ही क्या, अन्य शहरों में भी अवैध रूप से बसने और नेताओं-दबंगों के संरक्षण की कहानी बराबर सुनाई देती है। कूड़े के ढेर पर बसाने वाले, जंगल काटकर बसाने वाले, सरकारी या नजूल की भूमि घेरकर बसाने वाले, नाली-नालों पर अतिक्रमण कर बसाने वालों में दबंग घपलेबाजों का नाम रहा है। मजबूर लोगों को उनके रहने के लिये जो जगह मिल गई वह उसमें खुस हो गये और बसाने वाला अपने को स्वामी मानने लगा। इन सारे हालातों पर सम न्याय होना चाहिये।

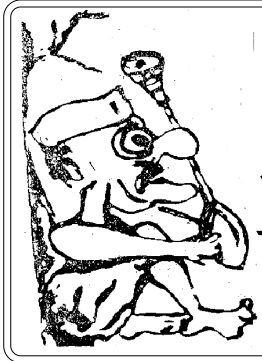

फसक

दाज्यू, आजादी का मतलब औकात में तो रहना ही ठैरा

जिसको जब मौका मिला वह वहीं दबोचने को तैयार बैठा है बल

दाज्यू, आजादी का जश्न मनाने के बाद हम सोच रहे हैं कि क्या आजादी यही होती है? जिसको जब मौका मिला वह वहीं दबोचने को तैयार बैठा है बल। भगवान जाने क्या होने वाला है। आंखिर इतनी आजादी भी क्या.....। आाजदी का मतलब औकात में तो रहना ही ठैरा।

प्रेम दा बता रहे थे- 'बूबू अमरलाल ने अंग्रेजों के हंटर तक सहे। बहुत सादगी से जीवन जीने वाले लोगों में विश्वास था और आजादी मिल गई।' दाज्यू, इस जमाने में हंटर कौन सहेगा? एकदम फोड़ाफोड़ हो जाने वाली ठैरी। गलत को गलत कहना भी बुरा मान रहे हैं। तराई वन प्रभाग के बरहैनी रेंज में तस्करों ने वन दरोगा को उनकी टीम के सामने ही पीटते हुए अधमरा कर डाला। तस्कर, चोर, माफिया, रंगदारी करने वाले, कुकर्मी भी अपने को समाजसेवी बताने लगे हैं। दाज्यू, पूरी आजादी है। यदि यह अपने को समाजसेवी होने का विज्ञापन लगवा दें तो कौन क्या करने वाला है। हमें इस आजादी में डर लगने लगा है। आजादी की आड़ में गुण्डे-बदमाश खुल नंगई कर रहे हैं। हल्द्वानी में बीए की छात्रा से उसका दोस्त और उसके साथी सालभर दुष्कर्म करते रहे बल। वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने पर महिला सहित 5 पर मुकदमा दर्ज किया गया है। हल्द्वानी के मुखानी क्षेत्र में आठ साल की बालिका से छेड़छाड़ करने वाले पूर्व खाद्य आपूर्ति के साब को जेल भेजा दिया है बल। काठगोदाम थाना क्षेत्र में चम्बल पुल के पास फर्नीचर की दुकान में काम करने वाले युवक पड़ोस में अश्लीलता करने लगा। पीड़िता के भाई ने पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया। दाज्यू, जसपुर कोतवाली के एक मामले में छात्र से कुकर्म करने वाले दोषी शिक्षक को 20 साल की कड़ी सजा सुनाई गई है। दिनेशपुर में छात्रा से अभद्रता में शिक्षक पर पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हो गया है। बाजपुर में अध्यापिका से एकतरफा प्यार में पगलाई छात्रा ने अश्लील फोटो अपलोड कर दी बल। हे भगवान! ऐसी आजादी? इसके बाद पुलिस में मामला दर्ज हो गया।

दाज्यू, बागेश्वर कैम्पस में गुरु पूजन कार्यक्रम के दौरान छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं के झगड़े में एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष समेत 5 छात्रों को 14 दिन की हिरासत में लेने के बाद इनकी माताओं ने कोटगाड़ी से न्याय की गुहार लगाई। बड़े नेता धरने पर बैठे, फिर जाकर इन्हें जमानत पर छोड़ा गया। दाज्यू, बालकों को क्या पता कि ईजा-बाबू कितना करते हैं अपने 'भौ' के लिये। चाहे कितने बड़े नेता हो जाओ, ठेकेदार हो जाओ, साहब हो जाओ, ईजा-बाबू को की आँखों में भऽऊऽवा ही ठैरे।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

स्मृति शेष
स्व.नवीन पांगती

मुनस्यारी। सामाजिक कार्यकर्ता पूर्व फौजी नवीन सिंह पांगती पुत्र स्व. रुद्रसिंह ग्राम दरकोट का इलाज के दौरान दिल्ली में 4 अगस्त को निधन हो गया। उनके निधन पर क्षेत्रवासियों व तमाम संगठनों ने शोकसभा करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। नवीन पांगती का जीवन एक अनुशासित फौजी की तरह था, उन्होंने हमेशा अपनी मातृभूमि मिलम को प्राथमिकता दी और नियमित रूप से खेतीबाड़ी, होमस्टे कार्य को आगे बढ़ाते हुए साथियों को भी इसके लिये उत्साहित किया। बेहतरीन फुटबाल खिलाड़ी होने के साथ ही वह संगीत के रसिक थे। जोहार क्लब के खेल हों या हरि प्रदर्शनी उनकी उपस्थिति सभी आयोजनों में दिखाई देती थी। इनका परिवार पिघलता हिमालय से शुरू से जुड़ा रहा है और सम्वाद के तौर पर उच्चहिमालय क्षेत्र की जानकारियों को यह बराबर पहुँचाते रहते थे। अब स्मृतियों में रहने वाले स्व. नवीन पांगती को पिघलता हिमालय परिवार श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

आडिट कमेटियों की बैठकें नहीं होने से लटकी है आपत्तियों के निस्तारण की कार्यवाही

अनुपालन नहीं होने से आडिट की उपयोगिता के साथ ही जीरों टॉलरेंस के दावों पर भी उठ रहे सवाल

600 करोड़ के चावल घोटाले की स्पेशल आडिट रिपोर्ट का 4 साल से नहीं हुआ परिपालन

हल्द्वानी। राज्य में वित्त विभाग के नियन्त्रणाधीन आडिट निदेशालय द्वारा जिन तमाम सरकारी एवं अर्द्धसरकारी संस्थाओं का आडिट किया जा रहा है उन आडिट आपत्तियों का परिपालन करने में सम्बन्धित विभागों के स्तर से बरती जा रही हीलाहवाली के चलते राज्य में करोड़ों के गबन और दुर्विनियोग के आडिट प्रस्तरों के निस्तारण की कार्यवाही वर्षों से लम्बित हैं। आडिट प्रस्तरों के निस्तारण हेतु शासन द्वारा विभिन्न स्तर पर समितियों का गठन किया गया है लेकिन समितियों की समय पर बैठकें नहीं हो रही हैं। इन समितियों की बैठक नहीं होने से राज्य के सबसे बड़े 600 करोड़ के चावल घोटाले की स्पेशल आडिट रिपोर्ट के आडिट प्रस्तरों का 4 साल से निस्तारण नहीं हो सका है।

हल्द्वानी के देवकीबिहार निवासी रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट आफिसर रमेश चन्द्र पाण्डे द्वारा 4 जून 2024 को वित्त आडिट प्रकोष्ठ के लोक सूचना अधिकारी को आवेदन भेजकर जनपद उधमसिंहनगर में वर्ष 2015-16 एवं 2016-17 में चावल संचरण में अनियमितताओं की स्पेशल आडिट रिपोर्ट की परिपालन आख्या और उस पर हुई अद्यावधिक कार्यवाही की सूचना मांगी थी।

प्राप्त सूचना के अनुसार खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आयुक्त बृजेश कुमार पन्त द्वारा 3 नवम्बर 2023 को विशेष लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की परिपालन आख्या आडिट निदेशालय को भेजी गई जिसे शासन द्वारा 22 नवम्बर 2023 को इस आपत्ति के साथ आयुक्त को लौटा दिया कि अनुपालन आख्या निर्धारित प्रक्रियानुसार प्रशासकीय विभाग के माध्यम से विभागीय लेखा परीक्षा उपसमिति /समिति की संस्तुतियों सहित उपलब्ध कराएं। आयुक्त खाद्य द्वारा इसके परिपालन में 10 जनवरी 24 को पुनः अनुपालन आख्या वित्त विभाग को भेजी गई जिस पर पुनः आपत्ति उठाते हुए अपर सचिव डा. अहमद इकबाल के हस्ताक्षर से 12 जनवरी 2024 को प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति को पत्र भेजा गया। पत्र में कहा गया कि आयुक्त द्वारा अनुपालन आख्या प्रशासकीय विभाग के जरिये न भेजकर सीधे वित्त विभाग को भेजी गई है। कहा गया कि अनुपालन आख्या पर प्रशासकीय विभाग का मन्तव्य, विभागीय लेखा परीक्षा समिति के कार्यवृत्त/संस्तुति सहित उपलब्ध कराए। श्री पाण्डे के अनुसार स्पेशल आडिट से पूर्व इस मामले की जाँच हेतु गठित एस.आइ.टी की रिपोर्ट को जिलाधिकारी उधमसिंहनगर द्वारा 27 सितम्बर 2017 को शासन को भेजा गया था। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया था कि प्रकरण में अभिलेखों की कूटरचना कर लगभग 600 करोड़ के राजकीय धन के अपव्यय का आर्थिक अपराध व्यापक स्तर पर होना परिलक्षित हुआ है। बाद में इसका स्पेशल आडिट कराया गया और 3 जून 2020 को जारी स्पेशल आडिट रिपोर्ट में भी 600 करोड़ के राजकीय धन के अपव्यय की पुष्टि हुई।

रिटायर्ड असिस्टेंट आडिट आफिसर रमेश चन्द्र पाण्डे ने बताया कि मुख्य सचिव के हस्ताक्षर से 7 अक्टूबर 2016 को जारी कार्यालय ज्ञाप द्वारा राज्य में आडिट प्रस्तरों के निस्तारण हेतु विभिन्न स्तर पर समितियों का गठन किया गया है । विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में विभागीय लेखा परीक्षा उपसमिति, प्रमुख सचिव/सचिव की अध्यक्षता में विभागीय लेखा परीक्षा समिति गठित कर इन समितियों की बैठक अनिवार्य रूप से हर त्रैमास में आयोजित करने की व्यवस्था है इसके अलावा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सम्परीक्षा समिति गठित है। निदेशक आडिट इस समिति के सदस्य सचिव हैं। यह समिति विभागीय आडिट कमेटी के कार्यवृत्तो की समीक्षा के साथ ही आडिट रिपोर्ट के गबन जैसे गम्भीर मामलों में कार्यवाही हेतु महत्वपूर्ण सुझाव देती है। उन्होंने कहा कि आडिट प्रस्तरों के निस्तारण हेतु गठित कमेटियों की समय पर बैठकें नहीं होने से वर्षों से जारी आडिट आपत्तियों का परिपालन लम्बित है। आडिट आपत्तियों का परिपालन नहीं होने से जहाँ आडिट की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं वहीं सरकार के जीरो टॉलरेंस के दावों पर भी सवाल उठ रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चेतावनी

मसूरी में निर्माण कार्यों को नहीं रोका गया तो जोशीमठ से हालात होंगे!

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

ऐसा नहीं है कि पहाड़ों की रानी मसूरी में ही इस तरह की घटनाएं हो रही है। उत्तराखण्ड के अलग अलग जिलों में हर दिन लैंडस्लाइड की घटनाएं हो रही हैं। उत्तराखंड के कई जिले लैण्डस्लाइड के लिहाज से देश में टॉप पर रहे हैं। खास बात यह है कि प्रदेश में लैण्डस्लाइड के लिए तमाम विकास कार्यों को भी वजह माना जाता रहा है। कई इलाकों में भारी संख्या में पेड़ों के कटान ने भी भूस्खलन क्षेत्र विकसित किए हैं। तमाम हिल स्टेशनों में भी वन कटान के कारण परेशानियां खड़ी हुई हैं। केरल के वायनाड में लैण्डस्लाइड की घटना से हर कोई स्तब्ध है। उत्तराखण्ड भी ऐसे ही कई बड़े लैण्डस्लाइड को झेलता आ रहा है।

तमाम हिल स्टेशनों में भी वन कटान के कारण परेशानियां खड़ी हुई हैं। मसूरी. .....नाम सुनते ही हरी भरी वादियां आपके जेहन में आ जाती होंगी। यहाँ की घुमावदार सड़कें, शानदार लैण्डस्केप सभी का मन मोह लेती हैं। मसूरी का 150 साल पुराना हरा भरा पेड़ भी यहाँ की एक पहचान है। ये पेड़ छावनी परिषद के कब्रिस्तान में आज से 150 साल पहले इंग्लैंड की महारानी जोडेन्बर्ग ने लगाया था। छावनी परिषद में कई ऐसे पेड़ हैं, जो किसी ने अपने रिश्तेदार या अपने परिजनों की याद में लगाए हैं। मसूरी छावनी परिषद में देवदार और साइप्रस के पेड़ हैं जिन्हें किसी भी हाल में काटने की अनुमति नहीं दी गई है लेकिन मसूरी का हर इलाका छावनी परिषद नहीं है, जहाँ पेड़ों को संरक्षित करने की परम्परा सी है। मसूरी के खट्टापानी क्षेत्र में कुछ वन माफियाओं ने देवदार के पेड़ों पर आरी चला दी। ऐसा ही दूसरे इलाकों में भी हो रहा है।

पहाड़ों की रानी मसूरी में बरसात के सीजन में सबसे ज्यादा लैण्डस्लाइड की घटनाएं होती हैं। जानकार इन घटनाओं के लिए अन्धाधुन्ध के साथ ही बेतरतीब विकास कार्यों को जिम्मेदार बता रहे हैं। पहाड़ों की रानी मसूरी में लगातार हो रहे निर्माण से लगातार यहाँ का सान्दर्य खराब होता चला जा रहा है। दिनों दिन मसूरी कंक्रीट के जंगल में तब्दील होता जा रहा है. हाल ही में मसूरी के खट्टापानी क्षेत्र में वन माफियाओं ने देवदार के पेड़ों पर आरी चला दी, जिसको लेकर छावनी प्रशासन ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। हाल ही में मॅलिगार क्षेत्र में एक देवदार का पेड़ काटा गया। ये पेड़ काफी पुराना था। इस पेड़ को काटने के पीछे कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस पेड़ के काटे जाने से प्रकृति प्रेमियों में काफी आक्रोश है। प्रकृति प्रेमियों का कहना है कि मसूरी के शहरी और छावनी क्षेत्र में कई ऐसे
बेशकीमती और यादगार पेड़ हैं, जिन्हें काटा नहीं जाना चाहिए, लेकिन कई ठेकेदार और वन माफिया षडयंत्र के तहत इन पेड़ों को कटवा रहे हैं। प्रकृति प्रेमियों ने कहा कि मसूरी की खूबसूरती और हरियाली को देखते हुए अंग्रेजों ने मसूरी का निर्माण करवाया था। यहाँ देश-विदेश से पर्यटक इस सौन्दर्य का आनन्द लेने आते थे, लेकिन अब बीतते दिनों के साथ मसूरी में अंधाधुंध निर्माण हो रहा है। आज मसूरी कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो गया है।

प्रकृति प्रेमियों ने बताया कि देहरादून विकास प्राधिकरण का गठन साल 1984 में किया गया था। मसूरी के नियोजित विकास को लेकर इसका गठन किया गया था, लेकिन भ्रष्टाचार लिप्त अधिकारियों ने नियमों और कानून को ठेंगा दिखाकर मसूरी में बेतहाशा नक्शे पास कर दिए। उनका आरोप है कि यहाँ कई अवैध निर्माण भी चुके हैं, जिसको लेकर ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। मसूरी शहर पर अत्यधिक भार पड़ रहा है, जिसको लेकर एनजीटी यानी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भी पिछले दिनों संकेत दिए गए थे। एनजीटी ने साफ कहा था मसूरी में निर्माण कार्यों को रोका जाए नहीं तो इसका हाल भी जोशीमठ जैसा होगा, लेकिन उसके बाद भी सरकार ने मसूरी को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। मसूरी देहरादून मार्ग पर कई जगह भारी भूस्खलन हुआ जिससे मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

मसूरी वन प्रभाग के डीएफओ अमित कंवर ने बताया मसूरी वन विभाग बिना जांच पड़ताल के किसी भी पेड़ को काटने की अनुमति नहीं देता। कई बार विकास को लेकर किया जा रहे निर्माण को लेकर कई पेड़ों को काटने पड़ते हैं, लेकिन विभाग की ओर से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एक पेड़ कटेगा तो उसकी जगह सम्बन्धित को दो पेड़ लगाने होंगे। डीएफओ का छावनी परिषद में जो पेड़ काटा जा रहा है, वह उनके अधीन नहीं आता है। मसूरी छावनी परिषद में जितने भी जंगल हैं, उसको देखने का काम छावनी परिषद का प्रशासन करता है। उन्होंने बताया हरेला पर्व के तहत मसूरी और आसपास के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पौधे रोपे जा रहे हैं ताकि पहाड़ों की रानी मसूरी की हरियाली बनी रहे। मृदा संरक्षण के लिए वृक्षों का एक अहम रोल माना जाता है। पर्वतीय क्षेत्रों में वन क्षेत्र भूस्खलन जैसी घटनाओं के रोकथाम के लिए भी काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। हैरानी की बात ये है कि इन महत्वपूर्ण जानकारियों के बावजूद राज्य में बड़ी संख्या में पेड़ों का कटान जारी है। यहाँ पर न केवल अवैध रूप से होने वाले वन क्षेत्र के कटान ने परेशानी बढ़ाई है बल्कि विकास कार्यों के लिए फॉरेस्ट लैंड ट्रांसफर भी मुसीबत पैदा कर रही है। उत्तराखण्ड वन विभाग जहाँ पौधारोपण को लेकर सालभर में कई अभियान चलाता है. इसके अलावा अवैध रूप से पेड़ों को काटने से रोकने के लिए विशेष निगरानी का दावा भी करता है लेकिन इन सब के बावजूद राज्य में अवैध रूप से पेड़ काटे जाने के मामले बेहद ज्यादा नजर आते हैं। पेड़ों के काटने जाने के मामले में सरकारी दस्तावेजों में दर्ज हैं, जिसकी गवाही खुद वन विभाग दे रहा है। जबकि, जिन पेड़ों की जानकारी वन विभाग को ही नहीं, ऐसे भी कई मामले होने की प्रबल सम्भावना है। हालांकि वन विभाग ऐसे मामलों में कड़ाई से निपटाने का दावा कर रहा है। इसको लेकर हाल ही में पुरोला और चकराता में हुए अवैध पातन के बाद कार्रवाई के उदाहरण भी दिए जा रहे हैं। उत्तराखण्ड में अवैध रूप से काटे जा रहे पेड़ों को लेकर जो आंकड़े सामने आए हैं वो चौंकाने वाले हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वन विभाग पूरे प्रदेश में वनों के कटान को लेकर विशेष निगरानी की बात कहता है और विभिन्न जगहों पर इसके लिए वन अधिकारी और कर्मचारी भी तैनात रहते हैं लेकिन इसके बावजूद पेड़ों पर जमकर आरियां चल रही है। इसकी तस्दीक आंकड़े कर रहे हैं, जो वन विभाग के सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है। मसूरी डीएफओ ने निर्माण स्थल पर ठेकेदार को कटे हुए पेड़ की जगह पर पौधे लगाने के निर्देश दिए हैं।

ज्योतिष की बातें- 191

22 अगस्त 2024 को सायनमान से सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करेगा अत: शरद ऋतु का प्रारम्भ हो जाएगा। अगले दो माह त्रिफला चूर्ण में थोड़ा चीनी मिलाकर सेवन करना स्वास्थ्यप्रद रहेगा।

22 अगस्त को बुध वक्री गति से चलते हुए वापस शत्रुराशि कर्क में प्रवेश करेगा। वहाँ पर कोई शुभ दृष्टि या युति भी नहीं होगी। अत: बुध अति निर्बल रहेगा। फलदीपिका के अनुसार चूंकि बुध दूसरे, चौथे, छठवें, आठवें, दसवें व ग्यारहवें स्थान पर शुभफल प्रदान करता है अत: बुद्धि व्यापार आदि अपने कारक विषयों में बुध अगले 14 दिन मिथुन, मेष, कुम्भ, धनु, तुला और कन्या राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभ फल प्रदान करेगा।

25 अगस्त 2024 को शुक्र अपनी नीचराशि कन्या में प्रवेश करेगा। वहाँ पर केतु से युति होगी तो गुरु की शुभदृष्टि भी होगी। अत: शुक्र सामान्य फलदायक रहेगा। सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में अगले 24 दिन शुक्र वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर और कुम्भ राशि के जातकों को सामान्य फल ही प्रदान करेगा।

रक्षाबन्धन- श्रावण शुक्ल पूर्णिमा अपराह्न व्यापिनी तिथि में भद्रोपरान्त रक्षाबन्धन का पर्व मनाया जाता है। अत: सोमवार 19 अगस्त 2024 को दोपहर 1:32 के बाद रक्षाबन्धन का पर्व मनाया जाएगा अर्थात पुरोहित अपने यजमान को और बहनें अपने भाई को 1:32 के बाद राखी बांधेंगे तो उचित रहेगा। शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 82

बेसमेंट का फैशन

बेसमेंट में पानी भरने की घटनाएँ प्राय: होती ही रहती हैं लेकिन मीडिया में तभी आती हैं जब कोई बड़ी दुर्घटना या जनहानि हो जाती है। आजकल लगभग सभी भवनों में बेसमेंट बनाई जाती है जहाँ पर हमेशा नमी और सीलन बनी रहती है, हवा और प्रकाश की भी कमी रहती है। सड़कों की ऊँचाई धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है जिस कारण दुकानों, मकानों का भूतल तो बेसमेंट ही हो जा रहा है जिसमें हर बरसात पानी भरने की समस्या रहती है। एलिवेटेड हाईवे बनने के कारण तो पूरे शहर और मार्केट बेसमेंट जैसे ही बन जा रहे हैं। हाईवे, एक्सप्रेस वे पार करने के लिए अण्डरपास बनाए जाते हैं। अब तो मेट्रो रेलवे के स्टेशन भी अण्डरग्राउण्ड अर्थात जमीन से काफी नीचे बनने लगे हैं। जब खदानों में पानी भर जाने के कारण बड़े पैमाने पर जनहानि हो सकती है तो यह अण्डरग्राउण्ड सिस्टम भी कभी बड़ी जनहानि का कारण बन सकता है। पानी ऊपर से नीचे की ओर ही बहता है। पानी के इस गुण को कभी नहीं बदला जा सकता है। मेरे इन विचारों को आप स्वीकार भले ही न करें लेकिन फिर भी मेरा मत है कि टेक्निकली, मेंटेनेंस के लिये और आर्थिक रूप से भी बेसमेंट की तुलना में अपरफ्लोर अच्छा है, अण्डरपास की तुलना में फ्लाईओवर अच्छा है, अण्डरग्राउण्ड स्टेशन सुरंग आदि से ओवरहेड सिस्टम बेहतर है। कभी आवश्कता पड़ने पर भी ओवरहेड सिस्टम को हटाया भी जा सकता है लेकिन अण्डरग्राउण्ड भी पूर्व स्थिति में नहीं लाया जा सकता है।

-सरल

बैंक शिफ्ट करने के विरोध में धरना प्रदर्शन

थल। पुरानी बाजार में संचालित उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की शाखा को शिफ्ट करने के विरोध में क्षेत्रवासियों ने धरना प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में महिलाओं सहित प्रदर्शनकारियों ने बैंक के बाहर धरना देते हुए प्रबन्धन के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि दूर दराज के ग्रामीणों को यहाँ सुविधा मिल रही है। बैंक शिफ्ट होने से दूर-दूर से आने वाले लोगों खासकर महिलाओं को दिक्कत होगी। धरने में बसन्ती पंचपाल, राखी बृजवाल, नीता पपनै, विमला पंचपाल, नीमा पाठक, दीपा वर्मा, जानकी देवी ने सम्बोधित किया।

समाजसेवक नैन सिंह....

प्रथम पृष्ठ का शेष

बाद भी उन्होने अपनी शिक्षा अभिरूचि जिज्ञासा से औपचारिक शिक्षा को अनौपचारिक रूप से प्राप्त किया। शिक्षा सम्बन्धित ज्ञान-कर्मशील योग्यता और उनके ईमानदार व्यक्तित्व के कारण क्षेत्रीय ग्रामीणों के अनुमोदन पर उन्होंन सन् 1966 से 1969 तक बौंन का ग्रामीण पोस्ट ऑफिस में ग्रामीण पोस्ट मास्टर के पद पर सरकारी कार्य किया। नैन सिंह जी की जिन्दगी में विशेष मोड़ तब आया जब उन्हें 'बौंन-दुग्तु' साधन सहकारी समिति में गणक (एकाउन्टेन्ट) पद पर काम करने को मिला। उन्होंने इन्हीं दिनों सहकारी समिति का कार्य भी किया। इन्हीं वजहों से सरकारी सहायता क्षेत्र के क्रियाविधि (कार्य प्रणालियों) के बारे में जानने-समझने का मौका मिला। सहकारी समिति के कार्यों के माध्यम से उनका दारमा के चौदह गाँवों के प्रबुद्धजनों और बुद्धिजीवियों से मिलन व उनसे व्यक्तिगत व्यक्तित्व से परस्पर मैत्रिक सम्बन्ध बने। उन्हें सहकारी कार्यों के सम्बन्ध में समय-समय पर धारचूला ब्लॉक स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठकों में शामिल होकर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। ग्रमीण कार्यशैली से हटके बाहर शासनिक-प्रशासनिक संस्था के कार्यशैली व सरकारी तन्त्र में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानने-समझने के कारण वे शिक्षा को और अधिक महत्व देने लगे। उनसे मिलने वाले प्रत्येक अशिक्षित व्यक्तियों को अनौपचारिक रूप से प्रौढ़ शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा देते थे और उनके परिवारजनों का शिक्षा के प्रति उत्साहित करते हुए औपचारिक संस्थागत शिक्षा ग्रहण करने को कहते थे।

सामाजिक चिन्तक श्रद्धेय नैन सिंह के सामाजिक जन जागृति अभियान पर महत्वपूर्ण भूमिका- दारमा लुंग्बा के क्षेत्रजनों ने सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए सत्तर-अस्सी के दशक में जन जागृति अभियान चलाया। यह अभियान दारमा समाज सुधारक संस्था का गठन कर चलाया गाया। इस संस्था का सूत्रधार-नेतृत्वकर्ता नैन सिंह बोनाल थे। उन्होंने दारमा घाटी के उस समय के सक्रिय नवयुवकों नवयुवतियों और विद्यार्थियों के साथ मिलकर टोली बनाकर कई बार पारम्परिक संस्कृति और संस्थागत शिक्षण के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों को जमीनी स्तर से शुरू कर क्षेत्रजनों के मन मस्तिष्क तक इसकी महत्वता को पहुँचाया जिसका एक उदाहरण 'चौदह गाँव-चौदह दिन' 'पाँच सूत्रीय जन जागृति कार्यक्रम' भी था जो (1) बाल विवाह प्रतिबन्ध, (2) नशाबन्दी (मद्य निषेध) (3) वृक्षारोपण, (4) शिक्षा-साक्षरता, (5) सफाई आन्दोलन (स्वास्थ्य के प्रति स्वच्छता) आदि मुख्य बिन्दु थे। क्रमश:

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सल्ट में दबंग राजनीति का खेल जारी है, सत्तारूढ़ दल के भी गुट

विधायक और क्षेपं सदस्य के समर्थकों में फतोड़ाफतोड़

रानीखेत। सल्ट की राजनीति में पहले दबंगता है उसके बाद व्यवहारिक बातें। एक बार फिर से मारपीट की घटना हुई है जो सत्तारूढ़ दल के ही दो गुटों के कार्यकर्ताओं में थी।

सल्ट में हर छोटे-बड़े चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के झण्डे लेकर नेता भिड़े हैं, साथ ही एक ही पार्टी के गुट भी आपस में भिड़ते रहे। पूर्व विधायक रंजीत सिंह रावत का दबदबा सबने देखा है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के सबसे निकट माने जाने वाले रंजीत सिंह रामनगर सीट पर हरीश रावत को टिकट मिलने पर खुली बगावत कर दी थी। सल्ट में कांग्रेस का पलड़ा जब भारी था पार्टी कार्यकर्ता गद्गद् थे। इसके बाद भाजपा के दबदबा हो गया। लोकप्रिय विधायक सुरेन्द्र सिंह जीना के 2020 में निधन के बाद उनके भाई महेश जीना 2021 के उपचुनाव में जीत कर विधायक बने।

महेश जीना के विधायक बनने के बाद भी सल्ट की राजनीति का असर बरकरार है। पार्टी के गुटों का झगड़ा किसी न किसी बात को लेकर होता रहजा है, जिससे पार्टी और इसके बड़े नेताओं असहजता देखी जाती है। ताजा झगड़े में विधायक महेश जीना और क्षेत्र पंचायत सदस्य हंसा नेगी के बीच चल रहे विवाद बढ़ चुका है। लोनिवि कार्यालय में एक टेंडर के दौरान दोनों के समर्थक भिड़ गये और मारपीट हुई। सल्ट के नेताओं में ऐसी फतोड़ाफतोड़ कोई नई बात नहीं है।

इससे पहले भी भाजपा के इन दोनों नेताओं के बीच किसी बात पर गहमागहमी हो चुकी है। विधायक का कहना है कि हंसा नेगी पहले से ही अराजक किस्म का व्यक्ति है। लोनिवि रानीखेत में क्या विवाद हुआ इसकी मुझे पूरी जानकारी नहीं है। हंसा नेगी निविदा प्रक्रिया के दौरान घपलेबाजी में लिप्त रहता है। कुछ समय पहले यह व्यक्ति जिलाबदर रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य कहा कहना है कि वह अपने साथी मनोज नेगी के साथ टेंडर डालने आयाथ था। सूचना मिली कि विधायक के दोनों पुत्र उनकी तलाश में हैं। उन्होंने विवाद में फंसने के चलते वहाँ जाना उचित नहीं समझा और मनोज नेगी को भेज दिया लेकिन विधायक पुत्रों ने मनोज के साथ मारपीट की।

मारपीट और आरोप की इस घटना में विभागीय अधिकारी बेचारे बने हुए हैं। कौन क्या कह सकता है? अधिकारियों की चुप्पी भी सबको समझ आ रही है। लेकिन इस घटना से चारों ओर सन्देश चला गया है कि जनप्रतिनिधि क्या-क्या करते और कहते हैं। इस प्रकार के झगड़ों से जनता को क्या फायदा होगा? क्या सल्ट में फतोड़ाफतोड़ का यह खेल आगे भी चलता रहेगा?

बाराकोट में जिपं के खिलाफ प्रदर्शन

लोहाघाट। बाराकोट में व्यापारियों ने जिला पंचायत की ओर से ग्रामीण क्षेत्र में शुल्क बढ़ाए जाने का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश वर्मा के नेतृत्व में शुल्क वृद्धि वापास लेने की मांग की। कहा टैक्स दुगुना कर व्यापारियों पर अनावश्यक बोझ डाला जा रहा है।

द्वाराहाट में लगेगा किताब कौतिक

द्वाराहाट। द्वाराहाट के शीतल पुष्कर मैदान में 30 अगस्त से 1 सितम्बर तक किताब कौतिक का आयोजन किया जायेगा। क्रिएटिव उत्तराखण्ड म्यर पहाड़ और विपिन त्रिपाठी विचार मंच की बैठक में आयोजन की रूपरेखा बनाते हुए विचार किया गया।

निकाय सभी सीटों पर लड़ेगी सपा

हल्द्वानी। समाजवादी पार्टी ने आगामी नगर निकाय चुनाव में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। प्रदेश में पार्टी प्रभारी को इसके लिये जिम्मेदारी सौंपी गई है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष शम्भू प्रसाद पोखरियाल, प्रदेश प्रभारी अब्दुल मतीन सिद्दकी की उपस्थिति में हुई बताया गया कि सुरेश परिहार को नैनीताल में चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जुम्मा में शिक्षकों के लिए आन्दोलन

धारचूला। जुम्मा इण्टर कालेज में शिक्षकों की नियुक्ति के लिये क्षेत्रवासियों ने वृहद आन्दोलन चलाया है। अनशनकारियों ने कालेज में अंग्रेजी, विज्ञान, गणित जैसे विषयों में शिक्षकों के पद रिक्त होने पर रोष जताते हुए कहा कि शासन प्रशासन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। जब मांगें पूरी नहीं होंगी आन्दोलन जारी रहेगा।

गंगोलीहाट नवोदय में व्यवस्था को रोना

गंगोलीहाट। राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में हमेशा से व्यवस्था का रोना रोया जाता रहा है। इसके अलावा बाहरी हस्तक्षेप के आरोप भी लगते हैं। इन दिनों में बच्चों को गुणवत्ता युक्त भोजन न मिलने का मामला उछला है। राजीव नवोदय के प्रधानाचार्य शम्भूनाथ यादव का कहना है कि भोजन की जिम्मेदारी हल्द्वानी के एक ठेकेदार की है। गड़बबड़ होने पर कार्यवाही की जायेगी।

बेरीनाग जाम से परेशान है शहर

बेरीनाग। बाईपास सड़क होने के बावजूद बेरीनाग शहर जाम से परेशान हो चुका है। पूरी सड़क में दो ओर खड़े कर दिये गये छोटे बड़े वाहनों के अलावा अन्य प्रकार के अतिक्रमण भी इसके लिये जिम्मेदार हैं। जाम से हांफ रहे शहर में ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

काशीपुर में चला बुल्डोजर

काशीपुर। शहर की रामनगर रोड में अतिक्रमण हटाने के लिये बुल्डोजर चला। एमपी चौक से लेकर रेलवे क्रासिंग तक प्रशासन ने अभियान चलाते हुए दो दर्जन से अधिक निर्माणों को ध्वस्त करवाया और चेतावनी दी कि किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अन्य मार्गों में भी अभी चिन्हीकरण कार्य भी जारी है।

यूओयू ने दर्ज कराया मुकदमा

रामनगर। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने रामनगर स्थित एक साइबर कैफे के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। यह मुकदमा हल्द्वानी से जीरो एफआईआर के रूप में यूओयू प्रशासन द्वारा दर्ज किये जाने की जानकारी मिली है। बताया जा रहा है कि साइबर कैफे संचालक द्वारा सोशल मीडिया पर अलग-अलग ग्रुपों में स्वयं असाइनमेंट भरने का विद्यार्थियों से दावा किया जा रहा था। इसके लिये पैसे लिये जाते थे।

गुंजी में वेदव्यास की प्रतिमा लगेगी

हरिद्वार। पर्यटन, संस्कृति और सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कनखल के जगद्गुरु आश्रम में शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से भेंट कर आशीर्वाद लिया और कहा उत्तराखण्ड यात्रा विकास प्राधिकरण बनाया जायेगा। गुंजी में भारत और नेपाल सीमा पर वेद व्यास की बड़ी प्रतिमा स्थापित की जायेगी। हरिद्वार में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का कार्य प्रगति पर है।

महाराज ने कहा कि विकास प्राधिकरण के अधीन यात्राओं का संचालन किया जायेगा। प्राधिकरण बनने के बाद यात्रा में प्रशासन की भागीदारी बनेगी। काली नदी के पास पहाड़ पर वेदव्यास की गुफा बनी हुई है। वेदव्यास महाभारत और शास्त्र लिखे हैं। उनके सम्मान में बड़ी प्रतिमा स्थापित की जायेगी।

महाराज ने लगे हाथ पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को भी कोसा और कहा कि केन्द्रीय मंत्री रहते हुए भी प्रदेश के लिये काम नहीं किया।

परिक्रमा

शकुंतला दताल 'तीलू रौतेली' पुरस्कृत

देहरादून। खेल, हस्तशिल्प, साहित्य, लोक गायन, विज्ञान, बहादुरी और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को मिलने वाले सम्मान के क्रम में इस बार जौलजीवी की समाजसेवी शकुन्तला दताल को 'तीलू रौतेली' सम्मान दिया गया। सामाजिक कार्यों को देखते हुए 72 वर्षीय शकुन्तला दताल यह पुरस्कार दिया गया। बाल विकास की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए धारचूला के राथी धामीगांव की आगनबाड़ी कार्यकर्ता बीनू धामी, मुनस्यारी के वनगांव की सरोज द्विवेदी, मूनाकोट के रियांसी की भागीरथी देवी को आंगनबाड़ी पुरस्कार मिला। पुरस्कार पाने वालों में अल्मोड़ज़ की प्रीति गोस्वामी, बागेश्वर की नेता देवली, चमोली की नर्मदा देवी रावत, रुद्रप्रयाग की श्रीमती विनिता देवी, टिहरी गढ़वाल की श्रीमती रीना उनियाल, उधमसिंह नगर जिले से श्रीमती मनदीप कौर, उत्तरकाशी से गीता गैरोला, देहरादून से माधुरी बर्थवाल, हरिद्वारा से संगीता राणा, नैनीताल से सुधा पाल, पौड़ी से अंकिता ध्यानी हैं। इसके अलावा बालविकास 32 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कृत किये गये हैं।

पिथौरागढ़ निगम नहीं पालिका ही रहे

पिथौरागढ़। नगर पालिका का विस्तार कर इसे नगर निगम बनाने और आसपास के गाँवों को इसमें शामिल करने का विरोध हो रहा है। विधायक मयूख महर खुलकर इसमें शामिल हैं। उनके नेतृत्व में नैनीसैनी, चौंसर, कासनी, हुड़ेती और गैठना, ओड़ूमाथा, सूवाकोट सहित आसपास के ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों ने कलेक्ट्रेट पहुँचकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि निकाय में शामिल कर कृषि व पशुपालन से अपनी आजीविका चला रहे ग्रामीणों का हक छीनने का प्रयास किया जा रहा है। यदि गाँवों को पालिका में शामिल किया जाता है तो चारागाह, जंगल, पानी के स्रोत पर पालिका का हक होगा और ग्रामीण अपने हकों से वंचित होंगे। कहा पूर्व में निकाय में शामिल क्षेत्र आज भी विकास के लिये तरस रहे हैं। प्रदर्शनकारियों में पूर्व पालिकाध्यक्ष जगत खाती, एड. मनोज ओझा, महेन्द्र लुण्ठी आदि भी थे।

कुमाउंनी शैली में होगा चम्पावत कलक्ट्रेट

चम्पावत। जिला मुख्यालय के श्रीखण्ड चौड़ स्थित कलक्ट्रेट भवन परिसर को कुमाउंनी शैली में बनाने का कार्य आरम्भ हो चुका है। कार्यदायी संस्था आरडब्लूडी 109.30 लाख रुपये की लागत से इस कार्य को कर रही है। कार्य पूरा होने के बाद यह कुमाउंनी शैली का शानदान भवन दिखाई देगा। इसके लिये पर्वतीय भवन शैली की सामग्रियों को जुटाया गया है। एडीएम हमेन्त वर्मा बताते हैं कि कलक्ट्रेट परिसर के आसपास विकास भवन, शिक्षा, पुलिस, पंचायती राज, खाद्य आपूर्ति, आबकारी, महिला सशक्तिकरण और बाल विकास सहित कई अन्य कार्यालय हैं। कुमाउंनी शैली में निर्माण के बाद पर्यटकों के लिये भी यह आकर्षण का केन्द्र होगा। आरडब्लूडी के ईई कमलेश जोशी ने बताया है कि पहले चरण में कलक्ट्रेट के प्रवेश द्वार का कुमाउंनी शैली में निर्माण हो रहा है। राजमीस्त्रियों की ओर से मशीनों की सहायता से बड़े बड़े बोल्डरों को तराश कर चिनाई की जा रही है। भवन की छत में पत्थरों की स्लेट व लकड़ी का कार्य होगा।

कोटाबाग नवोदय में में आरोपों की बौछार

हल्द्वानी। राजीव गांधी नवोदय विद्यालय कोटाबाग में अव्यवस्थाओं से नाराज विद्यार्थियों को उनके अभिभावक अपने साथ ले गये। कुल 327 बच्चे स्कूल में हैं। उन्होंने आरोपों की बौछार लगाते हुए सुरक्षा व्यवस्था न होने की बात प्रशासन से कही। आरोप लगाया कि भोजन व्यवस्था ठीक नहीं है।स्कूल के बच्चों के घर जाने पर शासन-प्रशासन के अलर्ट होने के बाद जो असर हुआ अब बच्चे वापसी कर रहे हैं।

जबरन डीडीए थोपना धोखा है

अल्मोड़ा। सर्वदलीय संघर्ष समिति ने जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग को लेकर धरना जारी रखा हुआ है। समिति के संयोजक व निवर्तमान पालिकाध्यक्ष प्रकाश जोशी ने कहा कि जबरन डीडीए थोपना जनता के साथ धोखा है। इसकी समाप्ति तक आन्दोलन होता रहेगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं कि हैवानियत पर उतर जाएं

नर्स से दुष्कर्म हत्या, मंत्री पद के नाम पर धोखाधड़ी

देश ने स्वतंत्रता की 78वीं वर्षगांठ मनाई और खूब जश्न हुआ लेकिन ध्यान रहे स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि कोई भी हैवानियत पर उतर जाए। वर्तमान में अपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। इन्हें रोकने के लिये हर स्तर पर सख्ती जरूरी है।

लूटपाट, छीनाझपट, दुष्कर्म, हत्या, रंगदारी, ठगी के समाचार प्रतिदिन मिल रहे हैं। ऐसे में केवल पुलिस व प्रशासन को दोष देने से कुछ नहीं होगा, इसके लिये समाज में हर स्तर पर तैयारी हो। स्वतंत्रता का जश्न तभी मीठा है जब चारों ओर शान्ति हो और अपराधों पर रोक हो।

उत्तराखण्ड जैसे शान्त प्रदेश में लगातार बढ़ रही इस प्रकार की घटनाओं ने चिन्ता की लकीर खींच दी है। राजनीति का स्तर भी खलबली मचाने वाला होता जा रहा है। मरूं-मारूं के हालातों के बीच आरोप-प्रत्यारोप हो रहे हैं। तराई से लेकर पहाड़ तक दिल दहला देने वाले समाचार सुनाई दे रहे हैं।

रुद्रपुर में नर्स हत्याकाण्ड का खुलासा हुआ है। पुलिस ने बहशी दरिंदे को नर्स से लूटे गये मोबाइल के साथ पकड़ा है। निजी अस्पताल में काम करने वाली नर्स के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। 30 जुलाई से लापता नर्स का 8 अगस्त को कंकाल मिला। अपराधी जोधपुर में पकड़ज्ञ गया।

दूसरी घटना काशीपुर से है जहाँ उ0प्र0 सरकार में राज्यमंत्री बनाने के नाम पर एक व्यवसायी के अधिवक्ता पुत्र से लाखों रुपये की धोखाधड़ी की गई। अधिवक्ता उदित बंसल ने इन्द्रपुरम् गाजियाबाद निवासी अमित कम्बोज के नाम पर मामला दर्ज करवाया है।

तीसरी घटना लोहाघाट की है। यहाँ मामूली विवाद में स्कूटी सवार तीन युवकों ने लोहाघाट-पिथौरागढ़ एमएच में कार्य कर रहे एक इंजीनियर को बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। मामला दर्ज होने पर तीन की गिरफ्तारी हुई।

कुल मिलाकर स्वतंत्रता का गलत लाभ लेने के मामले लगतार हो रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद टनकपुर (चम्पावत)

नगर पालिका परिषद टनकपुर 15 अगस्त 2024, स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नगर क्षेत्र की सम्मानित जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देती है एवं नगर को स्वच्छ रखने का निवेदन करती है-

1. ''हर घर तिरंगा'' अभियान के अन्तर्गत अपने-अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहरायें।
2. पर्यावरण बचाने के लिये ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के अन्तर्गत वृक्षारोपण करें।
3. अपने नगर टनकपुर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने के लिये सड़कों पर कूड़ा न फेंकें और कूड़े को न जलायें।
4. नगर पालिका द्वारा दिये गये हरे व नीले कूड़ेदान में गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग कर नगर पालिका कूड़ा वाहन को दें।
5. अपने नगर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने के लिये प्रतिबन्धित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग न कर, पर्यावरण बचाने में सहयोग करें।
6. खुले में शौच न करें, पालिका द्वारा निर्मित सामुदायिक शौचालयों का प्रयोग करें।
7. पालिका के करों जैसे गृहकर, दुकान किराया, ग्राउण्ड रेन्ट का समय से भुगतान करें एवं लाईसेन्स का नवीनीकरण समय से करायें।
8. अपने पालतू जानवरों गाय, भैंस, सुअर, कुत्तों को बाजार में खुला न छोड़ें।
9. आपके द्वारा उपयोग न किये जा रहे कपड़े, किताबें व अन्य अनुपयोगी वस्तुएं नगर पालिका टनकपुर में निर्मित आर.आर.आर. सेन्टर में जमा करायें।
10. खुले में कूड़ा फेंकने वालों के विरूद्ध उत्तराखण्ड खुले में कूड़ा फेंकना एवं खुले में थूकना अधि नियम 2016 के तहत रू. 5000 तक की चालानी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

(श्री भूपेन्द्र प्रकाश जोशी)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद टनकपुर

(श्री आकाश जोशी)
प्रशासक
नगर पालिका परिषद टनकपुर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-
सत्यवान सिंह जंगपांगी
(अ.प्रा.उपमहाप्रबन्धक दूरसंचार)
(शिव मन्दिर के निकट)
जोहार नगर, भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

SKM
Sr. Sec.
School
Rampur Road
Haldwani

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उत्तराखण्ड शासन

सभी देशवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की

हार्दिक शुभकामनाएँ

मैं, भारत माता की स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी अमर शहीदों, महान स्वतन्त्रता सेनानियों तथा स्वतन्त्र भारत की सुरक्षा एवं अखंडता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी वीर सैनिकों को नमन् करता हूँ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत के निर्माण में नए उत्तराखण्ड का योगदान अमूल्य है। आइए, स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर हम उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के विकल्प रहित संकल्प को लेकर राष्ट्रीय पर्व को धूमधाम से मनाएँ।

जय हिन्द, जय उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

आओ, मिलकर फहराएँ

हर घर तिरंगा

15 अगस्त 2024

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकसित भारत - सशक्त उत्तराखण्ड

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2023 के दौरान राज्य सरकार के साथ कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के हुए निवेश समझौते। जिसमें 81 हजार करोड़ के समझौते की ग्राउण्डिंग।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्री केदारनाथ धाम का हुआ भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद मानसखंड यात्रा को मिली नई पहचान।
- चार धामों की कनेक्टिविटी के लिए ऑल वेदर रोड का हुआ निर्माण। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का निर्माण कार्य तथा टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन सर्वे का कार्य गतिमान।
- नैनीताल जिले की बहुद्देशीय जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम की लखवाड परियोजना पर कार्य प्रारंभ।
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफर हुआ आसान।
- देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस वे (इकोनॉमिक कारिडोर) का निर्माण कार्य तेजी से जारी, 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिए पर्वत माला परियोजना को मिली मंजूरी। श्री केदारनाथ, हेमकुंड साहिब एवं पूर्णागिरी मंदिर रोपवे के निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।
- उधमसिंहनगर के किच्छा क्षेत्र में एम्स के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत उत्तराखण्ड के सीमांत गाँवों का हो रहा चहुँमुखी विकास।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट एवं पंतनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने हेतु कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिया वेड-इन-उत्तराखण्ड का मंत्र। जिसके तहत राज्य सरकारनए वेडिंग डेस्टिनेशन कर रही विकसित।

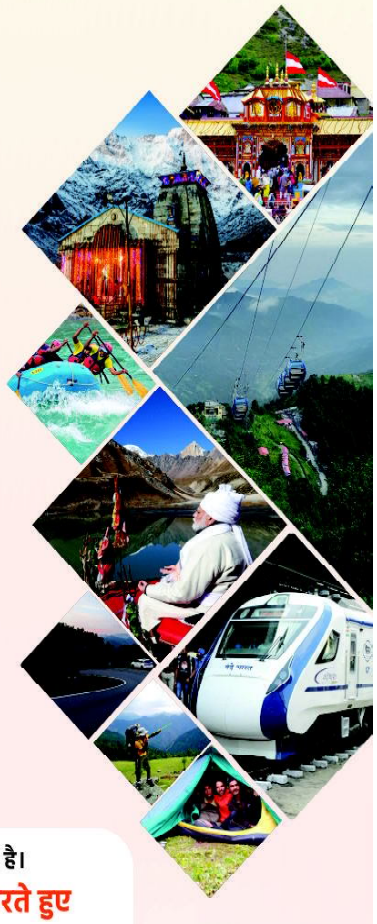

नीति आयोग, भारत सरकार की ओर से एसडीजी 2023-24 की रिपोर्ट जारी की गई है।

रिपोर्ट में उत्तराखण्ड ने सतत विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा उतरते हुए पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)